बाहरी कमरा

जिलेट नैरेटिव — नांदो, लेखक

gillettenarrative.com

मैंने एक देहाती गाथा लिखी थी, कोई बौद्धिक क़िस्सा नहीं, क्योंकि मेरी पढ़ाई-लिखाई मुझे इससे बेहतर करने ही न देती। इतालवी में चार नंबर पाकर, मैं अपना डिप्लोमा बस खेल-कूद की काबिलियत, एक औरत, और एक ऐसे प्रधानाचार्य की बदौलत हासिल कर पाया जिसे मेरी पाँच लीटर शराब का तोहफ़ा भा गया था। हा हा हा हा।

मैं लोगों को दिमाग़ की एक क़वायद देना चाहता था, और इसके लिए किसी डिग्री या पीएचडी की ज़रूरत नहीं थी। मैंने दस कमरे रच दिए थे और सोचा था कि मैंने हर किसी की ज़िंदगी का एक अध्याय बंद कर दिया है, पर मैंने इधर-उधर नज़र दौड़ाई तो एहसास हुआ कि कुछ तो मैं बाहर ही छोड़ आया हूँ।

क्या?

ख़ुद को।

अपनी ख़ामियों के साथ, अपनी बुराइयों के साथ, अपनी ख़ासियतों के साथ, अपने छलावे वाले हिस्सों के साथ, अपनी जल्दी बुरा मान जाने की आदत के साथ, अपने बदला चुकाने की चाहत के साथ, किसी ढाँचे में क़ैद उस बेतुकेपन के साथ, और फिर बिना सचमुच दिलचस्प हुए लगातार तवज्जो बटोरते रहने की उस आदत के साथ—और यह बात मुझे हमेशा मुस्कुरा देती थी।

हाँ, मेरे बग़ल में हमेशा कोई न कोई रहता जो मुझे राह दिखाना चाहता—कि मुझे क्या करना चाहिए, कैसे करना चाहिए, क्यों करना चाहिए—मानो वे मुझे किसी चीज़ में दीक्षित करना चाहते हों। पर मैं किसी धार्मिक या आध्यात्मिक पंथ के भीतर नहीं था। मैं तो

अपनी ही ज़िंदगी के भीतर था, जहाँ कुछ सीखना पड़े, यह तो तर्कसंगत था, पर यह बताया जाना कि उसे कैसे करूँ, तर्कसंगत नहीं था।

आओ, इसे बहुत न खींचें, क्योंकि हर पाठक थक जाता है और अंत जानना चाहता है। शायद किसी दिन मैं किसी कहानी की शुरुआत में ही उसका अंत लिखना शुरू कर दूँ, ताकि हर कोई समझ ले कि अंत ही इकलौती असली शुरुआत है।

मरने के इंतज़ार में यूँ ही बैठ जाने से पहले, मैं हमेशा उसके लिए सबसे मुफ़ीद जगह तलाशता रहूँगा। पर यक़ीन मानिए, इतने सारे विकल्पों और इतनी सारी संभावनाओं के बीच, मुझे किसी औरत की बाँहों से बेहतर कोई जगह नहीं मिलती। भले ही वह मेरी न हो, कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता। मुझे कुछ ख़ास परवाह नहीं। हा हा हा हा हा।

यही सबसे बेहतरीन जगह है, वह जगह जहाँ से सब कुछ शुरू हुआ और जहाँ सब कुछ ख़त्म होता है। पर कोई भी इंसान उतना अविस्मरणीय नहीं बन पाता, जितनी कोई लिखी हुई इबारत।

फर्दिनांदो

पुनश्च: मैं अपने वचन का पक्का आदमी हूँ, और औरतें इसे पहचान लेती हैं—और यही बात कुछ फीके प्रदर्शनों की भरपाई कर देती है।

 © 2026 Gillettenarrative.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।